भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 166

11 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का कार्यान्वयन

*166. डॉ. राजेश मिश्रा:

श्री प्रवीण पटेल:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना से पिछले दशक में मृदा की उर्वरता और कृषि उत्पादकता में किस प्रकार सुधार हुआ है;

(ख) इस कार्यक्रम से किसानों द्वारा उर्वरक उपयोग की पद्धति पर किस प्रकार प्रभाव पड़ा है और रासायनिक उर्वरकों पर किसानों की निर्भरता किस प्रकार कम हुई है;

(ग) उक्त एसएचसी योजना के अगले चरण में शामिल किए जा रहे विभिन्न नए उपाय या सुधार क्या हैं;

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं कि किसान मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई सिफारिशों को समझें और उनका प्रभावी उपयोग करें;

(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान भीलवाड़ा सहित राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में सीधी और उत्तर प्रदेश में फूलपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में जारी किए गए ऐसे एसएचसी कार्डों का ब्यौरा क्या है और उनकी संख्या कितनी है; और

(च) कृषि उत्पादकता में किए गए सुधारों का वर्षवार और जिलावार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का कार्यान्वयन" के संबंध में दिनांक 11.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 166 के भाग (क) से (च) के संबंध में विवरण।

(क) एवं (ख): सॉइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी स्कीम सॉइल हेल्थ और इसकी उत्पादकता में सुधार करने के लिए जैविक खादों और जैव-उर्वरकों के साथ-साथ द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्वों सहित रासायनिक उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के माध्यम से एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) को बढ़ावा देने में राज्यों की सहायता करती है। सॉइल नमूनों को मानक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए संसाधित किया जाता है और विभिन्न मापदंडों जैसे पीएच, विद्युत चालकता (ईसी), आर्गेनिक कार्बन, उपलब्ध नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, सल्फर और सूक्ष्म पोषक तत्वों (जिंक, कॉपर, आयरन, मैंगनीज एवं बोरोन) के लिए विश्लेषण किया जाता है। सॉइल हेल्थ कार्ड (एसएचसी) किसानों को सॉइल की पोषक स्थिति (कम, मध्यम और उच्च) के बारे में जानकारी प्रदान करता है और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए सॉइल हेल्थ में सुधार करने हेतु पोषक तत्वों की उचित खुराक पर सिफारिश करता है।

सॉइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी स्कीम का प्रभाव अध्ययन (नवंबर 2017) राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा किया गया है। इसके प्रमुख निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि उर्वरकों, विशेष रूप से नाइट्रोजन के उपयोग में कमी आई है और जैव-उर्वरकों तथा अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, धान के किसानों ने यूरिया का उपयोग 9%, डाई अमोनियम फॉस्फेट/सिंगल सुपर फॉस्फेट का उपयोग 7% कम किया है, लेकिन पोटेशियम का उपयोग 20% बढ़ा दिया गया है। इन निष्कर्षों के अनुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद ने वर्ष 2017 में 'भारत में सॉइल हेल्थ कार्ड के तेजी से वितरण के लिए सॉइल टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर' पर एक अध्ययन किया है। अध्ययन में यह पाया गया कि एसएचसी की सिफारिशों के आधार पर उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग से 8-10% की बचत हुई है और फसलों की उपज में कुल मिलाकर 5-6% की वृद्धि हुई है।

(ग): सॉइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी स्कीम में शामिल किए गए विभिन्न सुधार निम्नानुसार हैं: -

i. योजना को किसान-अनुकूल बनाने के लिए, सॉइल हेल्थ कार्ड पोर्टल में नए रूप के साथ निम्नलिखित विशेषताएं शामिल की गई हैं:

- किसानों के खेत के जियो कार्डिनेटस को कैप्चर करते हुए सॉइल सैम्पल कलेक्शन करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन की शुरुआत।
- सॉइल सैम्पल कलेक्शन करने, परीक्षण करने और एसएचसी बनाने के बारे में वास्तविक समय की जानकारी।
- किसान पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करके पोर्टल से एसएचसी डाउनलोड कर सकते हैं।
- नीति निर्माताओं का मार्गदर्शन करने के लिए पोर्टल पर उर्वरक प्रबंधन, पोषक तत्व डैशबोर्ड, पोषक तत्वों के हीट मैप की शुरुआत।
- क्यूआर कोड सक्षम सैम्पल कलेक्शन की शुरुआत।
- एसएचसी पोर्टल पर सभी सॉइल टेस्टिंग लैब की ऑनबोर्डिंग।

ii. एसएचसी हेतु नागरिक चार्टर पेश किया गया है।

iii. स्कूली छात्रों को शामिल करने के लिए स्कूल सॉइल हेल्थ कार्यक्रम शुरू किया गया है।

iv. कृषि विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा छात्रों की फील्ड इंटर्नशिप में तथा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम (आरएडब्ल्यूई) इंटर्नशिप में सॉइल टेस्टिंग और परामर्श को अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है।

(घ): सॉइल हेल्थ एवं फर्टिलिटी योजना के अंतर्गत, सॉइल की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर लगभग 7 लाख डिमोस्ट्रेशनस, 93,781 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम और 7,425 किसान मेले आयोजित किए गए हैं। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से किसानों को परामर्शिका जारी की गई है। इसके अलावा, अन्य मुद्दों के साथ-साथ एसएचसी को समझने में किसानों की मदद करने हेतु 70,002 कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया गया है।

(ड.): पिछले तीन वर्षों (2022-23, 2023-24 & 2024-25) के दौरान मध्य प्रदेश के सीधी और उत्तर प्रदेश के फूलपुर तथा भीलवाड़ा सहित राजस्थान के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जारी किए गए ऐसे एसएचसी कार्डों का ब्यौरा और संख्या निम्नानुसार हैं :

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का नाम	**पिछले 3 वर्षों में जारी किए गए सॉइल हेल्थ कार्ड**
सीधी , मध्य प्रदेश	54410
फूलपुर , उत्तर प्रदेश	30852
भीलवाड़ा, राजस्थान	32227

(च): एसएचसी कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत 1721 करोड़ रुपये का फंड जारी किया गया है और विभिन्न जिलों में किसानों को 24.84 करोड़ एसएचसी जारी किए गए हैं। जिला-वार विवरण एसएचसी पोर्टल https://www.soilhealth.dac.gov.in/home पर उपलब्ध है।

*****